क्या प्रतिक्रिया है और उसे रोकने के लिए क्या कार्यवाही की गई है ?

विदेश मन्त्रालय में उप मंत्री (श्री सुरेन्द्र पाल सिंह) : (क) जी, हाँ ।

(ख) ये किसी खास सोवियत टीकाकार के विचार है जैसा कि सोवियत साप्ताहिक 'न्यू टाइम्स' द्वारा प्रकाशित किये गए थे । उनके संबध में सरकार को किसी प्रकार की टीका-टिप्पणी नही करनी है ।

पूर्वी बंगाल में पाकिस्तानी सेना द्वारा विनष्ट की गई भारतीय सम्पत्ति

15. **श्री अटल बिहारी वाजपेयी** : क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पूर्वी बगाल मे चल रहे स्वाधीनता संग्राम के दौरान पाकिस्तानी सेना द्वारा कितनी भारतीय सम्पत्ति विनष्ट कर दी गई है,

(ख) पाकिस्तानी सेना द्वारा, मारे गये, घायल हुए तथा अपहरण किये गये भारतीय नागरिकों, सीमा सुरक्षा दल के जवानो तथा प्रेस संवाददाताओ की संख्या क्या है; और

(ग) इस सबध मे सरकार ने क्या कार्यवाही की है ?

विदेश मन्त्रालय में उप मंत्री (श्री सुरेन्द्र पाल सिंह) : (क) पता नही ।

(ख) 18 मई, 1971 तक प्राप्त सरकारी सूचना के अनुसार पाकिस्तानी सेना द्वारा मारे गये, घायल और अपहरण किये गये भारतीय नागरिकों की संख्या क्रमश. 38, 19 और 14 है ।

(ग) सरकार ने भारतीय जन एवं भारतीय सम्पदा की हानि से सबधित सभी घटनाओं के प्रति पाकिस्तान सरकार को विरोध भेजा है ।

भारतीय उप उच्चायुक्त के ढाका में कार्यालय का बंद किया जाना

16. **श्री हुकम चंद कछवाय** :
श्री मूलचंद डागा :

क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारत सरकार ने ढाका स्थित अपने उप उच्चायुक्त के कार्यालय को बंद कर दिया है; और

(ख) यदि हाँ, तो ऐसा करने के क्या कारण है ?

विदेश मंत्रालय में उप मंत्री (श्री सुरेन्द्र पाल सिंह) : (क) और (ख). पाकिस्तान सरकार के अनुरोध पर ढाका मे भारत के उप हाई कमिश्नर के कार्यालय को बद कर देना पडा और उसके परिणामस्वरूप सरकार ने कलकत्ता मे इसके मिशन को बंद करने का निश्चय किया ।

दिल्ली में विजय घाट, राजघाट तथा शान्तिवन पर व्यय

17. **श्री हुकम चन्द कछवाय** : क्या निर्माण और आवास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या विजय घाट, राजघाट और शांतिवन स्मारको का निर्माण कार्य इस बीच पूरा हो गया है;

(ख) इन स्मारको पर केन्द्रीय सरकार द्वारा अब तक कुल कितनी राशि खर्च की गई है;

(ग) वर्ष 1971-72 मे इस शीर्षक के अन्तर्गत कुल कितनी राशि का उपबंध किया गया है, और

(ख) निर्माण कार्य पूरा होने में कितना समय लगेगा और उस पर कुल कितनी राशि खर्च की जायेगी ?

निर्माण और आवास मंत्रालय में राज्य-मंत्री (श्री आई० के० गुजराल) : (क) जी, नहीं ।

(ख) (i) विजय घाट—24,54,020,00 रुपये

(ii) शान्ति वन—44,04,138,00 रुपये

(iii) राजघाट —63,87,389,00 रुपये ।

(ग) (i) विजय घाट — 7,00,000·00 रुपये

(ii) शान्ति वन — 6,62,000·00 रुपये

(iii) राजघाट — 2,58,000·00 रुपये ।

(घ) सिवाय गुफाओं में भित्त-चित्रों के तथा झुग्गी और झोंपड़ियों से घिरे क्षेत्र के विकास के, राजघाट समाधि पर पर्याप्त कार्य पूरा हो चुका है। ज्योंही भित्त-चित्र कार्य के लिए कलाकार का चयन हो जायेगा और झुग्गी-झोंपड़ियों को हटा दिया जायेगा, इन निर्माण कार्यों को आरम्भ किया जायेगा। अन्य दो समाधियों में संबंध में निर्माण कार्य, शान्ति वन और विजय घाट समाधि की समितियों की सिफ़ारिशों के अनुसार किया जाता है, अतएव समाधियों पर के सभी निर्माण कार्यों को कब तक पूरा किया जाएगा अथवा उनपर कुल कितनी राशि खर्च होगी, यह बताना सम्भव नहीं है।

कलकत्ता में पाकिस्तानी उप-उच्चायुक्त की घोषणा

18. **श्री हुकम चन्द कछवाय :**
श्री पी० गंगादेव :
श्री एस० एम० कृष्ण :

क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या कलकत्ता में पाकिस्तान के उप-उच्चायुक्त तथा पाकिस्तानी उप-उच्चायोग के अधिकारियों ने उस कार्यालय को भारत में बंगला देश के उच्च आयोग का कार्यालय घोषित कर दिया है; और

(ख) भारत में बंगला देश के उच्च आयोग तथा उसके कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए सरकार ने क्या कार्यवाही की है ?

विदेश मंत्रालय में उपमंत्री (श्री सुरेन्द्र पाल सिंह) : (क) कलकत्ता में पाकिस्तान के भूतपूर्व उप हाई कमिश्नर श्री हुसैन अली और उनके कार्यालय के कई सदस्यों ने अपने कार्यालय की घोषणा' बंगला देश के मिशन' के रूप में की है।

(ख) सामान्य कानून और व्यवस्था बनाये रखने के लिए प्रबंध कर दिये गये है।

बंगला देश को मान्यता देने के लिए जनता की मांग

19. **श्री हुकम चन्द कछवाय :**
श्री एस० एम० कृष्ण :
श्री के० लकप्पा :

क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या विभिन्न राजनीतिक दलों, अर्ध राजनीतिक संस्थाओं, संसद् सदस्यों तथा जनता ने सरकार से 'बंगला देश' को मान्यता देने का अनुरोध किया है; और

(ख) इस संबंध में सरकार की क्या प्रतिक्रिया है और इस संबंध में क्या कार्यवाही की गयी है ?